

प्रेस विज्ञप्ति

इंडिया हेरिटेज वॉक फेस्टिवल 2018

ब्लू सिटी जोधपुर की विरासत यात्रा पर

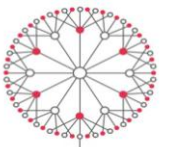
जोधपुर, 13 फरवरी। थार मरुभूमि के नितांत बंजर भूभाग पर अवस्थित जोधपुर को कई उपाधियों से नवाजे जाने पर गर्व है: राजस्थान की सांस्कृतिक राजधानी, ब्लू सिटी, सन सिटी, विविधतापूर्ण संस्कृतियों और आस्थाओं के कारण 'देश का संक्षिप्त रूप' कहलाने वाला शहर जहाँ वर्षों से सौहार्दपूर्ण माहौल बरकरार है। प्रत्येक उपाधि भारत के दूसरे मरुभूमि प्रदेश के इस विशाल शहर के विशेष गुण का वर्णन करती है।

त्योहारों और रीति-रिवाजों, ऐतिहासिक भवनों, महलों, हवेलियों, मंदिरों, तालाबों, कुंडों, पुराने बाजारों, वस्त्रों और पत्थरों की खूबसूरत नक्काशी से बने 15वीं शताब्दी के मशहूर मेहरानगढ़ किले से सुसज्जित यह शहर आगामी इंडिया हेरिटेज वॉक फेस्टिवल (आईएचडब्ल्यूएफ) की ओर से संचालित सैर-सपाटे की शृंखला के तहत अपने निवासियों की यादों को तरताजा करेगा।

प्राचीन शाही मारवाड़ प्रदेश की राजधानी जोधपुर 20 उन शहरों में शामिल है जो भारतीय कला और संस्कृति की ऑनलाइन विश्वकोष सहपीडिया (sahapedia.org) और यस बैंक के विचार मंच यस ग्लोबल इंस्टीट्यूट की सांस्कृतिक शाखा यस कल्चर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक महीने तक अलग-अलग शहरों में चलने वाले आईएचडब्ल्यूएफ 2018 की मेजबानी कर रहे हैं। यह उत्सव स्थानीय नागरिकों को अपने-अपने शहरों और नगरों की मूर्त और अमूर्त धरोहरों से रूबरू होने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

इनटेक जोधपुर चैप्टर के नेतृत्व में और मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के सहयोग से इस शहर में दो हेरिटेज वॉक 15 फरवरी (बृहस्पतिवार) और 16 फरवरी (शुक्रवार) को आयोजित किए जाएंगे। तीन घंटे के इस भ्रमण कार्यक्रम में जोधपुर की विभिन्न गलियों का दौरा किया जाएगा और उनके साथ चलने वाले विशेषज्ञ अपनी गुणवत्ता तथा शिल्पकारी के लिए मशहूर शहर के हस्तशिल्प उद्योग के पीछे की कहानियों का वर्णन करेंगे। यहाँ के बांधनी वस्त्र और रंग-बिरंगी मोजरी जूतियाँ अपने खास डिजाइन के कारण सैलानियों के बीच खास तौर पर लोकप्रिय रही हैं।

मेहरानगढ़ किला, जो अब संग्रहालय में तब्दील हो गया है, हथियारों, चित्रकारी और शाही पालकी से सजा हुआ है। यहाँ से चारदीवारी से घिरे शहर की झलक दिखती है जहाँ शहर के मशहूर नीले रंग में रंगे कई भवन नजर आते हैं— यह रंग संभवतः तीखी धूप के प्रभाव को कम करता है जहाँ पूरे साल भीषण गर्मी का मौसम बना रहता है।



इस दौरे में शामिल होने वाले लोगों को मावा कचौरी, मिर्ची वड़ा और रबड़ी लड्डू जैसे व्यंजनों का स्वाद चखने का भी अवसर मिलेगा। ये सभी व्यंजन जोधपुर की शानदार पाकशैली के नमूने हैं।

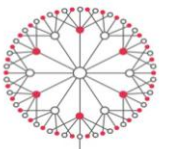
इस सैर-सपाटे और आईएचडब्ल्यूएफ 2018 के अन्य कार्यक्रमों, मैप रूट तथा पंजीकरण सूचना आदि के बारे में विस्तृत जानकारी <http://www.indiaheritagewalkfestival.com> पर उपलब्ध है।

फेस्टिवल निदेशक (आईएचडब्ल्यूएफ) और सहपीडिया के सचिव वैभव चौहान कहते हैं, "इंडिया हेरिटेज वॉक फेस्टिवल 2018 उन सभी चीजों का जश्न है जिनके लिए सहपीडिया जानी जाती है। अपनी समृद्ध विरासत और संस्कृति की विश्वसनीय, प्रामाणिक और संपूर्ण विषय वस्तु को निर्मित करने के प्रयास के तहत हम देशभर में सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं का एक नेटवर्क विकसित कर रहे हैं। यह उत्सव इस समस्त भारत मुहिम का एक हिस्सा है जिसमें धरोहर स्थलों को अधिक लोकप्रिय, अधिक सुगम और अधिक अनुभवजन्य बना रहे हैं। सही मायने में यही वजह है कि यह उत्सव समाज के हर वर्ग के लोगों को शामिल करने का प्रयास कर रहा है जिसमें सैर-सपाटों के जरिये उन्हें खास विषयों पर आधारित व्यापक अनुभव मिल सके और इसमें अधिक से अधिक लोगों को शामिल किया जा सके।"

यस बैंक के एमडी और सीईओ तथा यस ग्लोबल इंस्टीट्यूट के चेयरमैन राणा कपूर कहते हैं, "भारत को समृद्ध धरोहर और सांस्कृतिक इतिहास सहेज कर रखने का वरदान मिला हुआ है जहाँ हर कोने में स्मारकों और वास्तुकला नमूनों की खान मौजूद हैं। हमारी राष्ट्रीय धरोहर में हेरिटेज वॉक जैसी गतिविधियों से सिविल सोसायटी की भागीदारी सुदृढ़ होती है और यह सैर इन स्थलों के संरक्षण और सुरक्षा का एक अभिन्न हिस्सा बन गई है। इस तरह की धरोहर पर्यटन मुहिमों में स्थानीय समाज तथा नागरिकों की तहेदिल से भागीदारी और संलग्नता राष्ट्र गौरव की भावना बढ़ाने की क्षमता रखती है और साथ ही धरोहर के विकास का एजेंडा भी इससे पूरा होता है।"

यस बैंक इंस्टीट्यूट की ग्लोबल संयोजक प्रीति सिन्हा कहती हैं, "21वीं सदी के भारत में धरोहरों की समझ ऐतिहासिक भवनों और स्मारकों की सुरक्षा से लेकर व्यापक संदर्भ में मूर्त एवं अमूर्त सांस्कृतिक स्वरूपों की सामान्य समझ और संरक्षण पर अधिक केंद्रित होने तक विकसित हुई है। दौरों, चर्चाओं और फिल्म तथा सोशल फोरम जैसे डिजिटल मीडिया के जरिये निर्मित, प्राकृतिक एवं सजीव धरोहर के साथ सक्रिय संलग्नता से यह महोत्सव ऐतिहासिक संवेदनशील नीति बनाने एवं नीति निर्धारण की दिशा में प्रबुद्ध सोच विकसित करने का एक पैमाना है।"

आईएचडब्ल्यूएफ 2018 के तहत देशभर के 20 शहरों और नगरों को शामिल किया गया है जिसमें ऐतिहासिक स्मारकों, पवित्र स्थलों, जाने-माने स्थलों, कला एवं संस्कृति के लिए मशहूर स्थानों, व्यंजनों और प्रसिद्ध व्यापारिक स्थलों का दौरा किया जाना शामिल है।



Sahapedia

C 1/3, First Floor
Safdarjung Development Area
New Delhi 110016
+91-11- 41065046/47
www.sahapedia.org

इसके तहत सांस्कृतिक विषयों और व्याख्यान श्रृंखला पर आधारित एक ऑनलाइन डॉक्यूमेंटरी फिल्म समारोह भी आयोजित किया जा रहा है जिसे पूरे महीने चलने वाले लगभग 70 कार्यक्रमों की बैठकों और मिलन समारोहों से संचालित किया जाएगा।